उत्तराखण्ड

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए संवर्धित हरित आवरण महत्वपूर्ण

₹34.75

By
कुमाऊँ वाणी डेस्क

Posted on December 12, 2024

0:00

TRENDING NEWS

नैनीताल

नैनीताल में 29 अगस्त व एक सितंबर को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

₹40.64

उत्तराखण्ड

उत्तरकाशी जलजला:मौसम वैज्ञानिक ने बादल फटने से किया इनकार इस वजह से आई आपदा

₹22.14

चुनाव

ब्रेकिंग:लंबे विवादों के बाद भाजपा की दीपा बनी नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष,कांग्रेस की देवकी उपाध्यक्ष

₹26.36

EMAILSHARETWEET

पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय,जैव विविधता हॉटस्पॉट जहाँ हजारों प्रजाति के पौधे, पक्षी और स्तनधारी पाए जाते हैं, भारत की पर्यावरणीय और जलवायु परिस्थितियों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि, इन पहाड़ों को जलवायु परिवर्तन,अत्यधिक दोहन और प्रदूषण से बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो जैव विविधता और उन पर निर्भर लोगों की भलाई को खतरे में डालते हैं।पर्यावरणविदों का कहना है कि वन आवरण को बढ़ाना जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सबसे अधिक लागत प्रभावी और व्यावहारिक उपायों में से एक हो सकता है।यह हिमालयी क्षेत्र में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है,जहाँ वन कार्बन अवशोषण और भंडारण के लिए आवश्यक हैं,जो क्षेत्र के कुल कार्बन का लगभग 62 प्रतिशत रखते हैं।भारतीय हिमालय क्षेत्र वैश्विक औसत से अधिक तापमान वृद्धि दर का अनुभव कर रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं।

आगे पढ़ें.......

दुघटना

दुखद ब्रेकिंग:मौत बनकर आया पत्थर हेलमेट पहनने के वावजूद नैनीताल आ रहे स्कूटी सवार के सिर पर कैलाखान में पत्थर गिरने से मौत युवती की बची जान

₹25.32 ▾

क्राइम

नैनीताल की बेटी मेधा को खोजने में करे मदद आपका एक प्रयास लौटा देगा माँ के चेहरे पर मुस्कान

₹28.42 ▾

TO TOP

LIKE US ON FACEBOOK

कुमाऊँ वाणी

about an hour ago

सावधान:बारिश का कहर:सड़क धंसने को तैयार जा रहे है अल्मोड़ा की ओर तो जरा संभलकर

TO TOP

सामाजिक उद्यम ग्रो-ट्रीज डॉट कॉम के सह-संस्थापक और पर्यावरण चैंपियन प्रदीप शाह कहते हैं,यह सीधे तौर पर वन क्षेत्र के महत्वपूर्ण नुकसान से जुड़ा है, भारत के हिमालयी राज्यों में 1,072 वर्ग किलोमीटर वन का नुकसान हुआ है। क्षेत्र में वनीकरण प्रयासों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, श्री शाह कहते हैं कि ग्रो-ट्रीज डॉट कॉम ने पहले ही ट्रीज+ फॉर द हिमालयाज प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है, जिसे नैनीताल के 17 गांवों और उत्तराखंड के अल्मोड़ा के छह गांवों में लागू किया जा रहा है। इस पहल के तहत आंवला, बांज, बकियन, भटूला, भीमल, मजुना, ग्लौकस ओक, जामुन, हिमालयन शहतूत और इंडियन हॉर्स चेस्टनट सहित चार लाख पेड़ लगाए जाएंगे। हिमालयी क्षेत्र पर केंद्रित ऐसी परियोजनाएं कार्बन को अलग करने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की लचीलापन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। वन क्षेत्र का विस्तार जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के प्रति क्षेत्र की भेद्यता को कम करने में भी मदद करता है।पेड़ लगाने की प्रक्रिया के हर चरण में स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से शामिल करके, हम भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्वत श्रृंखलाओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।**आगे पढ़ें.......**

यह भी पढ़ें 👉 [बारिश ने मेले में डाला खलल,दुकानदारों में मायूसी,ठेकेदार ने टेंडर की शर्तों की उड़ाई धज्जियां]

TO TOP

स्थानीय समुदायों पर परियोजना के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में, नथुवाखान गांव के रेंज अधिकारी प्रमोद कुमार कहते हैं कि इस पहल ने न केवल परिदृश्य को सुंदर बनाया है, बल्कि कई ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए हैं। अधिकारी कहते हैं, "पौधे लगाने से वन क्षेत्र को फिर से भरने में मदद मिली है, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता में सुधार हुआ है। हमें अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए इस तरह की और पहल की आवश्यकता है। बरेथ गांव के 52 वर्षीय निवासी भीम सिंह का मानना है कि हिमालय के लिए पेड़ परियोजना से उनके समुदाय को बहुत लाभ हुआ है। भीम सिंह कहते हैं, इसने आय का एक स्रोत प्रदान किया है और हमारे क्षेत्र में वन क्षेत्र को बढ़ाने के साथ-साथ हमारी आजीविका का समर्थन करने में मदद की है,जो पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। हमें खुशी है कि हम इस तरह की वृक्षारोपण गतिविधियों के माध्यम से प्रकृति में योगदान करने में सक्षम थे।

TO TOP

TO TOP

TO TOP

TO TOP

लेटैस्ट न्यूज़ अपडेट पाने हेतु -

👉 वॉट्स्ऐप पर हमारे समाचार ग्रुप से जुड़ें

👉 फ़ेसबुक पर जुड़ने हेतु पेज को लाइक और फॉलो करें

TAGS: FEATURED

EMAIL SHARE TWEET

RECOMMENDED FOR YOU

मेले में बारिश का कहर:पालि सरस्वती खेतवाल ने किया निरीक्षण,

सावधान:ह का कहर:सड़व धंसने को तैयार जा रहे है अल्मोड़ा की ओर

प्रशंसा:भार बारिश के बीच पालिका के सफाई कर्मी बखूबी कर रहे है

पर पड़ी दोहरी मार
₹61.11

तो जरा संभलकर
₹42.96

अपने कार्य का निर्वहन
₹39.52

TO TOP

Quis autem vel eum iure reprehenderit qui in ea voluptate velit esse quam nihil molestiae consequatur, vel illum qui dolorem?

ABOUT

Kumaun vani (कुमाऊं वाणी) देवभूमि उत्तराखंड के कुमांउ व गढ़वाल के गांव-गधेरों की समस्याओ, ताजा खबरों व विलुप्त हो रही कुमांउनी व गढ़वाली संस्कृति को उजागर करने का एकमात्र डिजिटल माध्यम है। अतः आप भी अपने विचार व अपने क्षेत्र की

संपादक –

नाम: हिमानी बोहरा
पता: मझेड़ा, नैनीताल, उत्तराखण्ड
दूरभाष: +91 81713 71321
ईमेल: kumaunvani@gmail.com

Temporibus autem quibusdam et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet.

समस्याओं व समाचारों को प्रकाशित करने के लिए हमसे **kumaunvani@gmail.com** तथा दूरसंचार व व्हाट्सएप नम्बर **8171371321** पर सम्पर्क कर सकते है।

(खबरों की विश्वसनीयता ही हमारी पहचान है)

TO TOP

© 2022, Kumaun Vani (कुमाऊँ वाणी)
Get latest Uttarakhand News updates in Hindi
Website Developed & Maintained by Naresh Singh Rana
(⌐■_■) Call/WhatsApp 7456891860

HOME ABOUT ADVERTISEMENTS CONTACT PRIVACY POLICY